Edit with WPS Office

पीछे पीछे बड़ी बहन भी चल चली जाती थीविद्या -भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग -तृतीय, विषय -हिंदी ,दिनांक-16-09-2020

पाठ-12

एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित

सुप्रभात बच्चों,

पिछली कक्षा में आपने मदर टेरेसा का आधा भाग अध्ययन किए आज की कक्षा में आपको शेष भाग का अध्ययन करना है जो इस प्रकार है-

पीछे- पीछे बड़ी बहन भी चली जाती थी। वे दोनों अपनी छूट की बहन को भी चोरी में सम्मिलित करना चाहते थे। परंतु बालिका गोंझा को यह सब कुछ अच्छा नहीं लगता था, क्योंकि माताजी ने एक दिन बातों -ही -बातों में कहा था,"छिपकर किया हुआ काम अनुचित है।देवता अपनी हजार आंखों से सर्वत्र देखता रहता है"।

बालिका गौझा अपने बड़े भाई- बहन के साथ चोरी में कभी शामिल नहीं हुई। गौझा ने एक दिन शनिवार की आधी रात को अपने भाई और बहन को डांट कर केक खाते हुए देखकर कहां,"मां कहती है कि यदि सुबह की प्रार्थना में सम्मिलित होना है तो रात्रि के 12:00 बजे के बाद कुछ नहीं खाना चाहिए"। उन दोनों ने उनकी एक न सुनी। फिर भी गौझा ने कभी इन बातों की शिकायत अपनी मां से नहीं की। मां का कहना था कि शिकायत करना बुरी बात है। बालिका के हृदय पर माता के विचारों का गहरा प्रभाव पड़ा था।

पिताजी तो उसी समय चल बसे थे जिस समय फूल की कली सात वर्ष की मासूम बालिका थी।

बच्चों, आज के लिए इतना ही बचा हुआ भाग आगे की कक्षा में।

गृह कार्य-दी गई, अध्ययन- सामग्री को पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा कठिन शब्द को अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।